नाम- राम प्रसाद (Assistant Prof.)
कॉलेज - T. M. A. T. T. C. Hazaribagh
Sub. - Pedagogy of Biological Science
Class - B.Ed. (Ist Year)
Date - 21/04/2021

विवेचन विधि (Discussion Method)

विवेचन जैविक विज्ञान-शिक्षण में विशेष उपयोगी है इसके अन्तर्गत शिक्षक एवं छात्रों में पारस्परिक विस्तृत एवं विवेकयुक्त विचारों का आदान-प्रदान होता है। इसमें शिक्षक किसी प्रश्न या समस्या को निर्धारित कर देता है। तत्पश्चात् शिक्षक और छात्र मिलकर पूर्व निर्धारित प्रश्न या समस्यापूर्वक विचार-विमर्श करते हैं। विचार-विमर्श द्वारा सम्बन्धों का विश्लेषण एवं तुलना होती है और मूल्यांकन करके निष्कर्ष निकाले जाते हैं। शिक्षा शब्द कोश में विवेचन के अर्थ को स्पष्ट करते हुए लिखा है, " विवेचन एक प्रक्रिया है, जिसमें लोग एक प्रकरण या समस्या के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त करने अथवा एक समस्या के लिए सभी सम्भावित उपलब्ध साक्ष्य पर आधारित उत्तर खोजने की दिशा में परस्पर बातचीत करते हैं।

PAGE NO. :
DATE : / /

विवेचन के प्रकार : यह दो प्रकार का होता है -

1.) औपचारिक विवेचन (Formal Discussion)
2) अनौपचारिक विवेचन (Informal Discussion)

1.) औपचारिक विवेचन

इसमें किसी प्रकरण या समस्या पर विवेचन निश्चित नियमों के अनुसार होता है। विवेचन पर नियन्त्रण एवं निर्णय आदि हेतु लिए अध्यक्ष एवं सचिव आदि को चुना जाता है। विवेचन की समस्त कार्यवाही लिखी जाती है।

2) अनौपचारिक विवेचन :

इसमें किसी समस्या/प्रकरण पर शिक्षक एवं छात्र स्वतन्त्रता पूर्वक बातचीत करते है इसमें नियमो का बन्धन नहीं होता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को अपने भावों एवं विचारो को स्वतन्त्रता से व्यक्त करने का प्रशिक्षण देना है।

विवेचन की प्रक्रिया (Room of the Discussion)

इसमें विवेचन के संचालन हेतु एक अध्यक्ष एवं एक सचिव का पद होता है। अध्यक्ष विवेचन का संचालन करता है और सचिव विवेचन की सम्पूर्ण कार्यवाही लिखता है। भाग लेने वाले समस्त विद्यार्थी के अन्य छात्र होते है। शिक्षक एवं छात्र मिलकर विवेचन के लिए किसी समस्या या प्रकरण को चुनते हैं। समस्या या प्रकरण का चुनाव हो जाने पर

शिक्षक उसके अध्ययन के उद्देश्य पर प्रकाश डालता है और संबंधित सन्दर्भ-पुस्तकों का विवरण देता है। छात्र समस्या या प्रकरण से सम्बन्धित विषयवस्तु का अध्ययन करते हैं। पक्ष या विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए तैयारी करते हैं। निर्धारित तिथि पर छात्र विचार-विमर्श करते हैं अध्यक्ष नियमानुसार उनका संचालन करता है। विवेचन को नियन्त्रित रखता है। विवेचन की कार्यवाही सचिव लिखता जाता है। जीव विज्ञान शिक्षक एक सामान्य सदस्य के रूप में बैठता है। छात्रों द्वारा किसी प्रकार की कठिनाई अनुभव किये जाने पर शिक्षक उनका पथ प्रदर्शन करता है। छात्र एक दूसरे से प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान करते हैं। विवेचन समाप्त हो जाने पर शिक्षक समस्या से सम्बन्धित अपनी संक्षिप्त टिप्पणी या समीक्षा प्रस्तुत करता है। तत्पश्चात विवेचन के समापन की घोषणा करता है।

शिक्षण पद (Steps of Teaching) - निम्न शिक्षण पदों को अपनाया जाता है-

1. समस्या का चयन एवं प्रस्तुतीकरण
2. विवेचना
3. अभिलेखन
4. मूल्यांकन
5. समापन